This question paper contains 3 printed pages.]

3043 *Your Roll No. .....*

M.A. Pol. Sc./Sem. II A

Paper –202 : THEMES IN INDIAN POLITICAL THOUGHT

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt any **four** questions.*
All questions carry equal marks.
*किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
***सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

[P.T.O.

1. How do the Brahmanical traditions of political thought try to control inter-polity affairs? Write with special reference to the concept of dharma-yuddha.

राजनीतिक विचारधारा की ब्राह्मणीय परंपराएँ किस प्रकार अंतः-राज्य व्यवस्था मामलों को नियंत्रित करने का प्रयत्न करती हैं? धर्मयुद्ध की संकल्पना के विशेष संदर्भ में लिखिए।

2. Do you agree that Vedic and Buddhist religions try to reconcile the renunciatory ideal with social life differently. Give reasons for your answer.

क्या आप सहमत हैं कि वैदिक और बौद्ध धर्म सामाजिक जीवन के साथ त्याग के आदर्श का विभिन्नतः समाधान करने का प्रयत्न करते हैं? अपने उत्तर के लिए कारण बताइए।

3. Critically evaluate the two main Islamic traditions on kingship and governance in India.

भारत में राजत्व और शासन पर दो मुख्य इस्लामी परंपराओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

4. How did the sufi and bhakti movements contribute to the development of syncretism in India?

सूफी और भक्ति आंदोलनों ने भारत में समन्वयवाद के विकास में किस प्रकार योग दिया?

5. Write an essay on the 19th century reformist critique of the prevailing social order. What were the main limitations of this critique?

प्रचलित सामाजिक व्यवस्था के 19वीं सदी की सुधारवादी मीमांसा पर एक निबंध लिखिए। इस मीमांसा की प्रमुख परिसीमाएँ क्या थीं ?

6. Can we regard the Subaltern explanations of the Indian state as a post colonial critique of the modern state itself. Give reasons for your answer.

क्या हम भारतीय राज्य के उपाश्रयी स्पष्टीकरणों को स्वयं आधुनिक राज्य की उत्तर-उपनिवेशी मीमांसा के रूप में ले सकते हैं ? अपने उत्तर के लिए कारण बताइए।

7. Analyse the cultural understandings of the nation, and the differences in their conceptions of modernity.

राष्ट्र के सांस्कृतिक बोधों का और आधुनिकता की उनकी संकल्पनाओं में भिन्नताओं का विश्लेषण कीजिए।

8. Do you agree that Classical Knowledge emphasized the importance of knowing this world? Discuss with reference to ideas of pramanya, pratyaksa, anumana.

क्या आप सहमत हैं कि क्लासिकी ज्ञान ने इस जगत को जानने पर बल दिया है ? प्रामाण्य, प्रत्यक्ष और अनुमान के प्रत्ययों के संदर्भ में विवेचन कीजिए।